भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 1961
दिनांक 30 जुलाई, 2026

केरल में प्रस्तावित राजीव गांधी पेट्रोलियम प्रौद्योगिकी संस्थान

†1961. **डॉ. एम. पी. अब्दुस्समद समदानीः**

क्या ***पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार राजीव गांधी पेट्रोलियम प्रौद्योगिकी संस्थान (आरजीआईपीटी) के शिवसागर और बेंगलुरु में संचालित वर्तमान केंद्रों की तर्ज पर केरल में उसका नया ऑफ-कैंपस केंद्र अथवा विशेष क्षेत्रीय केंद्र स्थापित करने संबंधी किसी प्रशासनिक प्रस्ताव पर विचार कर रही है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या केरल सरकार के साथ समन्वय स्थापित कर राज्य के सामरिक समुद्री अवसंरचना तथा सक्रिय पेट्रोलियम परिशोधन तंत्र का उपयोग करने के उद्देश्य से आधारभूत व्यवहार्यता अध्ययन अथवा भूमि की पहचान संबंधी कोई आकलन किया गया है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) प्रस्तावित केंद्र में तटीय ऊर्जा गति की, हाइड्रोजन प्रौद्योगिकी तथा एलएनजी बंदरगाह प्रबंधन से संबंधित विशेष स्नातकोत्तर एवं अनुसंधान कार्यक्रम शुरू करने की क्या संभावनाएं हैं; और

(घ) सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, जैसे बीपीसीएल कोच्चि रिफाइनरी, के सहयोग से उद्योग-संबद्ध अनुसंधान प्रयोगशालाओं के प्रायोजन के लिए परिकल्पना की गई संभावित वित्तीय ढांचे और तकनीकी सहयोग का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) राजीव गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम टेक्नोलॉजी (आरजीआईपीटी), एक 'राष्ट्रीय महत्व का संस्थान' की स्थापना वर्ष 2007 में संसद के एक अधिनियम के माध्यम से जायस, अमेठी, उत्तर प्रदेश में की गई थी। इस संस्थान का मुख्य उद्देश्य कुशल मानव संसाधनों को लॉन्च करने और पेट्रोलियम और ऊर्जा उद्योग की बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, प्रशिक्षण और अनुसंधान प्रदान करना है। इसके विस्तार और विकास योजना के रूप में, दो केंद्रों अर्थात् असम ऊर्जा संस्थान (एईआई), शिवसागर, असम और ऊर्जा संस्थान, बेंगलुरु (ईआईबी), कर्नाटक पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं।

वर्तमान में, केरल में आरजीआईपीटी के किसी नए ऑफ-कैंपस केन्द्र अथवा विशेष क्षेत्रीय केन्द्र की स्थापना करने के लिए कोई प्रशासनिक प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

(ख) से (घ) प्रश्न नहीं उठता।

*****